

अपठित काव्यांश

सुबह हुई तो सूरज बोला,
उठो, नया संसार सजाओ ।
बीती बातें छोड़ किनारे,
आज नया कुछ करके दिखलाओ ।
छोटी-सी यह राह तुम्हारी,
कदम-कदम पर मोड़ मिलेंगे ।
कभी धूप होगी, कभी छाया,
कभी अचानक फूल खिलेंगे ।
जो गिरकर फिर उठ जाता है,
वही सफलता पाता है ।
जो मुश्किल से डरकर रुकता,
वह अवसर खोकर पछताता है ।
मेहनत को अपना साथी बनाओ,
आशा को मन में जीवित रखो ।
समय किसी के लिए न रुकता,
इसलिए आगे बढ़ते रहो ।

1. निम्नलिखित में से सही विकल्प चुनिए । (1 अंक)

कवि के अनुसार मनुष्य को बीती बातों के साथ क्या करना चाहिए?

(क) उन्हें बार-बार याद करना चाहिए ।

(ख) उन्हें छोड़कर आगे बढ़ना चाहिए ।

(ग) उनसे डरना चाहिए ।

(घ) उन्हें दूसरों को बताना चाहिए ।

2. कविता में जीवन की राह को किस प्रकार बताया गया है? (1 अंक)

(क) बिल्कुल सरल और सीधी

(ख) छोटी लेकिन मोड़ों और कठिनाइयों से भरी

(ग) बहुत लंबी और अंधकारमय

(घ) केवल सुखों से भरी

3. 'कभी धूप होगी, कभी छाया' पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए। (2 अंक)
4. कविता के अनुसार सफलता प्राप्त करने वाले व्यक्ति की दो विशेषताएँ लिखिए। (2 अंक)
5. 'जो गिरकर फिर उठ जाता है' — इस पंक्ति में कवि किस जीवन-मूल्य की ओर संकेत करता है? (2 अंक)
6. 'मेहनत को अपना साथी बनाओ' का भाव अपने शब्दों में स्पष्ट कीजिए। (2 अंक)
7. कविता में 'सूरज' का प्रयोग किस भाव को व्यक्त करने के लिए किया गया है? (2 अंक)
8. कथन और कारण के आधार पर सही विकल्प चुनिए। (1 अंक)
- कथन (A): मनुष्य को कठिनाइयों के बावजूद आगे बढ़ते रहना चाहिए।
कारण (R): समय किसी व्यक्ति के लिए रुकता नहीं है।
- (क) A और R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है।
(ख) A और R दोनों सही हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है।
(ग) A सही है, लेकिन R गलत है।
(घ) A गलत है, लेकिन R सही है।
9. कविता का केंद्रीय भाव लगभग 30–40 शब्दों में लिखिए। (3 अंक)
10. क्या केवल मेहनत ही सफलता के लिए पर्याप्त है? कविता के आधार पर अपने विचार तर्क सहित लिखिए। (3 अंक)

उत्तरमाला (ANSWERS)

1. (ख) उन्हें छोड़कर आगे बढ़ना चाहिए।
2. (ख) छोटी लेकिन मोड़ों और कठिनाइयों से भरी।
3. इसका अर्थ है कि जीवन में हमेशा एक जैसी परिस्थितियाँ नहीं रहतीं। कभी सुख और सफलता मिलती है, तो कभी कठिनाइयों और असफलताओं का सामना करना पड़ता है।

4. वह असफलता के बाद दोबारा प्रयास करता है ।

वह कठिनाइयों से डरकर रुकता नहीं है ।

5. यह पंक्ति दृढ़ता, आत्मविश्वास और संघर्षशीलता के जीवन-मूल्य की ओर संकेत करती है । असफल होने के बाद फिर प्रयास करना सफलता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है ।

6. कवि कहना चाहता है कि सफलता के लिए लगातार परिश्रम करना आवश्यक है । हमें मेहनत को अपने जीवन का नियमित हिस्सा बनाकर कठिन परिस्थितियों में भी प्रयास जारी रखना चाहिए ।

7. 'सूरज' यहाँ नई शुरुआत, आशा, ऊर्जा और सकारात्मकता का प्रतीक है । वह मनुष्य को पुरानी निराशाओं को छोड़कर नए उत्साह के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है ।

8. (क) A और R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है ।

9. कविता का केंद्रीय भाव यह है कि जीवन में सुख-दुःख और सफलता-असफलता आती-जाती रहती हैं । इसलिए मनुष्य को अतीत की असफलताओं से निराश न होकर मेहनत, आशा और दृढ़ता के साथ लगातार आगे बढ़ते रहना चाहिए ।

10. कविता में मेहनत को सफलता का महत्वपूर्ण आधार बताया गया है, लेकिन केवल मेहनत पर्याप्त नहीं मानी जा सकती । मेहनत के साथ सही दिशा, धैर्य, आत्मविश्वास और असफलताओं से सीखने की क्षमता भी आवश्यक है । इसलिए निरंतर और सही दिशा में किया गया प्रयास सफलता की संभावना बढ़ाता है ।

अपठित काव्यांश — (Based on Cbse pattern)

पेड़ खड़ा है राह किनारे,
धूप स्वयं पर सहता है ।
राही को शीतल छाया देकर,
चुपचाप आगे बढ़ता है ।
पत्थर खाए, आँधी झेले,
फिर भी फल देता रहता ।
जिसने उसको चोट पहुँचाई,

उसको भी वह कुछ न कहता ।
नदियाँ अपना जल न बचाएँ,
सागर तक बह जाती हैं ।
बादल बनकर फिर धरती पर
जीवन की वर्षा लाती हैं ।
प्रकृति हमें यह पाठ पढ़ाती
देना ही जीवन का सार ।
जो केवल अपने लिए जिए,
उसका जीवन रहे बेकार ।

1. काव्यांश के आधार पर 'पेड़' किस जीवन-मूल्य का प्रतीक है? (1 अंक)

- (क) स्वार्थ
- (ख) परोपकार
- (ग) क्रोध
- (घ) प्रतिस्पर्धा

2. निम्नलिखित में से कौन-सा कथन काव्यांश के भाव से सर्वाधिक उपयुक्त है? (1 अंक)

- (क) प्रकृति केवल मनुष्य की आवश्यकताएँ पूरी करती है ।
- (ख) प्रकृति मनुष्य को संघर्ष से बचना सिखाती है ।
- (ग) प्रकृति बिना स्वार्थ दूसरों के लिए उपयोगी बनने की प्रेरणा देती है ।
- (घ) प्रकृति मनुष्य को अपने संसाधन बचाकर रखने की सीख देती है ।

3. कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर सही विकल्प चुनिए । (1 अंक)

कथन (A): पेड़ दूसरों को छाया और फल देने के बाद भी शिकायत नहीं करता ।

कारण (R): पेड़ का अस्तित्व केवल अपने लिए नहीं, बल्कि दूसरे जीवों के लिए भी उपयोगी है ।

- (क) A और R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है ।
- (ख) A और R दोनों सही हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है ।
- (ग) A सही है, लेकिन R गलत है ।
- (घ) A गलत है, लेकिन R सही है ।

4. 'पत्थर खाए, आँधी झेले, फिर भी फल देता रहता' — इन पंक्तियों के माध्यम से कवि क्या संदेश देना चाहता है?(2 अंक)

5. कविता में पेड़ और नदी के उदाहरण देकर कवि ने मनुष्य को क्या सीख दी है? (2 अंक)

6. 'जो केवल अपने लिए जिए, उसका जीवन रहे बेकार।' — इस कथन से आप कहाँ तक सहमत हैं? काव्यांश के आधार पर लगभग 30–40 शब्दों में उत्तर दीजिए। (2 अंक)

उत्तरमाला (ANSWERS)

1. (ख) परोपकार

2. (ग) प्रकृति बिना स्वार्थ दूसरों के लिए उपयोगी बनने की प्रेरणा देती है।

3. (क) A और R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है।

4. कवि बताना चाहता है कि जीवन में कठिनाइयाँ और दूसरों का विरोध आने पर भी हमें अपने अच्छे कार्यों को नहीं छोड़ना चाहिए। पेड़ चोट और आँधी सहकर भी दूसरों को फल देता है।

5. पेड़ और नदी दोनों निस्वार्थ भाव से दूसरों के लिए उपयोगी होते हैं। पेड़ छाया और फल देता है, जबकि नदी अपना जल देती है। इनके माध्यम से कवि परोपकार, त्याग और निस्वार्थ सेवा की सीख देता है।

6. मैं इस कथन से सहमत हूँ। केवल अपने सुख और लाभ के लिए जीना जीवन को सीमित बना देता है। मनुष्य को अपनी क्षमता और संसाधनों से परिवार, समाज और प्रकृति के लिए भी योगदान देना चाहिए।

काव्यांश (Class 10 Hindi A)

विपदाओं से मुझे बचाओ, यह मेरी प्रार्थना नहीं

केवल इतना हो (करुणामय)

कभी न विपदा में पाऊँ भय।

दुःख-ताप से व्यथित चित्त को न दो सांत्वना नहीं सही

पर इतना होवे (करुणामय)

दुःख को मैं कर सकूँ सदा जय।

कोई कहीं सहायक न मिले

तो अपना बल पौरुष न हिले;

हानि उठानी पड़े जगत में लाभ अगर वंचना रही
तो भी मन में ना मानूँ क्षय । ।

प्रश्न

1. कवि ईश्वर से किस प्रकार की सहायता माँगता है?

(क) संकटों को समाप्त करने की

(ख) संकटों से बचाने की

(ग) संकटों का सामना करने की शक्ति देने की

(घ) सुख-सुविधाएँ प्रदान करने की

2. उपर्युक्त काव्यांश में व्यक्त भाव से कवि के व्यक्तित्व की कौन-सी विशेषता प्रकट होती है?

3. कथन (A): कवि विपत्तियों से मुक्ति नहीं माँगता ।

कारण (R): वह कठिन परिस्थितियों का सामना स्वयं करने का साहस चाहता है ।

4. 'आत्मत्राण' शीर्षक की सार्थकता स्पष्ट कीजिए ।

5. कवि की प्रार्थना आज के विद्यार्थी के लिए किस प्रकार प्रेरणादायक है?

उत्तर (ANSWERS)

1. (ग) संकटों का सामना करने की शक्ति देने की ।

2. कवि के साहसी, आत्मनिर्भर और संघर्षशील व्यक्तित्व की विशेषता प्रकट होती है ।

3. A और R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है ।

4. 'आत्मत्राण' का अर्थ स्वयं की रक्षा करने की क्षमता है । कवि विपत्तियों से बचने के बजाय उनका साहसपूर्वक सामना करने की शक्ति चाहता है । इसलिए 'आत्मत्राण' शीर्षक सार्थक है ।

5. यह विद्यार्थी को कठिनाइयों और असफलताओं से भागने के बजाय साहस, धैर्य और आत्मविश्वास के साथ उनका सामना करने की प्रेरणा देता है ।

काव्यांश (Class 10 Hindi B)

विचार लो कि मर्त्य हो न मृत्यु से डरो कभी,
मरो, परंतु यों मरो कि याद जो करें सभी ।
हुई न यों मृत्यु तो वृथा मरे, वृथा जिए,
मरा नहीं वही जो जिया न आपके लिए ।
वही पशु-प्रवृत्ति है कि आप आप ही चरे,
वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे । ।

प्रश्न

1. उपर्युक्त काव्यांश के आधार पर सच्चे मनुष्य की पहचान क्या है?
(क) अधिक धन अर्जित करना
(ख) दूसरों के लिए जीना और आवश्यकता पड़ने पर त्याग करना
(ग) केवल अपने हित के बारे में सोचना
(घ) समाज से अलग रहना
2. उपर्युक्त काव्यांश में व्यक्त विचार के अनुसार मानव-जीवन की सार्थकता किसमें है?
3. कथन (A): कवि मनुष्य को परोपकारी बनने की प्रेरणा देता है ।
कारण (R): उसके अनुसार केवल अपने लिए जीना मनुष्यता की पूर्ण अभिव्यक्ति नहीं है ।
4. 'मनुष्यता' से कवि का क्या आशय है?
5. उपर्युक्त काव्यांश का संदेश वर्तमान समाज के लिए क्यों महत्वपूर्ण है?

उत्तर (ANSWERS)

1. (ख) दूसरों के लिए जीना और आवश्यकता पड़ने पर त्याग करना ।
2. मानव-जीवन की सार्थकता दूसरों के लिए जीने, उनके हित में कार्य करने और आवश्यकता पड़ने पर मानवता के लिए त्याग करने में है ।
3. A और R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है ।
4. मनुष्यता का अर्थ दूसरों के सुख-दुःख में सहभागी होना, परोपकार करना, सहयोग देना और मानव-कल्याण के

लिए त्याग करना है।

5. यह संदेश आज के स्वार्थपूर्ण वातावरण में अत्यंत महत्वपूर्ण है क्योंकि दूसरों के प्रति संवेदना, सहयोग और त्याग की भावना समाज में एकता, भाईचारा और मानवीय मूल्यों को मजबूत करती है।

PRACTICE QUESTION

काव्यांश आधारित अभ्यास — उत्साह

कवि — सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'

अंक: $5 \times 1 = 5$

निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए।

बादल, गरजो!—

घेर घेर घोर गगन, धाराधर ओ!

ललित ललित, काले घुँघराले,

बाल कल्पना के-से पाले,

विद्युत-छवि उर में, कवि, नवजीवन वाले!

वज्र छिपा, नूतन कविता

फिर भर दो—

बादल, गरजो!

प्रश्न

(क) 'बादल, गरजो!' में कवि की मुख्य आकांक्षा क्या व्यक्त होती है?

(अ) बादलों के भयावह रूप को देखने की

(ब) प्रकृति में नवजीवन और ऊर्जा के संचार की

(स) वर्षा से बचने की

(द) आकाश की सुंदरता का वर्णन करने की

(ख) 'बाल कल्पना के-से पाले' में बादलों की तुलना किससे की गई है?

- (अ) पर्वतों से
- (ब) फूलों से
- (स) बालों से
- (द) बाल कल्पना से

(ग) निम्नलिखित कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर सही विकल्प चुनिए ।

कथन (A): कवि बादलों को नवजीवन प्रदान करने वाली शक्ति के रूप में प्रस्तुत करता है ।

कारण (R): बादलों के आने से वर्षा होती है, जिससे तपती धरती को शीतलता और जीवन मिलता है ।

- (अ) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है ।
- (ब) कथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) उसकी सही व्याख्या नहीं है ।
- (स) कथन (A) गलत है, लेकिन कारण (R) सही है ।
- (द) कथन (A) और कारण (R) दोनों गलत हैं ।

(घ) 'वज्र छिपा' पदबंध के माध्यम से बादलों के किस स्वरूप का संकेत मिलता है?

- (अ) कोमल और शांत स्वरूप
- (ब) शक्तिशाली और प्रभावशाली स्वरूप
- (स) सुंदर और सुगंधित स्वरूप
- (द) स्थिर और निष्क्रिय स्वरूप

(ङ) काव्यांश के आधार पर निम्नलिखित में से कौन-सा विकल्प 'नूतन कविता' के भाव को सर्वाधिक उपयुक्त रूप से व्यक्त करता है?

- (अ) पुरानी परंपराओं को दोहराना
- (ब) नई चेतना और सृजन की भावना
- (स) प्रकृति से दूरी बनाना
- (द) केवल मनोरंजन की भावना

उत्तर (ANSWERS)

- (ब)

(द)

(अ)

(ब)

(ब)

QUESTIONBODH